

प्रदृष्टि होती नदियाँ

नैसर्गिक प्रकृति में मनुष्य को जितनी वस्तुएं दी हैं, उनमें जल सबसे अमूल्य है। नदियां ही इन जलस्रोतों का माध्यम है। नदियों की सुरक्षा को लेकर जितनी चिंता जराई जाती रही है, उसी अनुपात में उन्हें बचाने की कोशिशें हकीकतों में नहीं उतरीं। आज भी नदियों के प्रदूषित होते जाने पर पर्यावरणविदों की ओर से लगातार चेतावनी दी जाती है, सरकारों की ओर से जलरी कदम उठाने की घोषणाएं होती हैं, संबंधित महकमों के जरिए अलग-अलग स्तर पर योजनाओं पर अमल करने की बात कही जाती है। मगर इन तमाम कवायदों और सदिच्छाओं के बावजूद हकीकत यह है कि देश भर में कई नदियों में प्रदूषण का स्तर इस कदर गहरा गया है कि मनुष्य के लिए मौजूदा हालत में उनकी उपयोगिता अब घटती जा रही है। बल्कि कुछ नदियों का पानी पीने लायक तो दूर, नहाने के लिए भी सुरक्षित नहीं रहा। हाल ही में केंद्र सरकार ने संसद में यह जानकारी दी कि प्रमुख नदियां देश के सभी राज्यों में प्रदूषित हो रही हैं। संसद में पेश इस जानकारी का आधार केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की पिछले दिनों एक रिपोर्ट आई है, जिसमें बताया गया है कि देश भर में 279 नदियां ऐसी हैं, जो तीन सौ ग्यारह जगहों पर पहुंच कर प्रदूषित हो रही हैं। यह स्थिति अपने आप में बताने के लिए काफी है कि लंबे समय से नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लागू योजनाओं के नतीजे घोषित मकसद के मुताबिक सामने नहीं आ पा रहे हैं। सवाल है कि अगर सरकार किसी योजना को अमल में लाने की बात कहती है तो उसे वास्तव में जमीन पर उतारने को लेकर उसकी क्या जिम्मेदारी होती है? नदियों के प्रदूषित होने और उसके करणों को चिह्नित करके उसे दूर करने के उपाय तैयार करने की एक प्रक्रिया होती है। लेकिन आखिर क्या कारण है कि इस बात का अध्ययन तो कर लिया जाता है कि इतनी ज्यादा संख्या में नदियां तीन सौ से ज्यादा जगहों पर प्रदूषित हो रही हैं, मगर इस समस्या को दूर करने को लेकर नतीजा देने वाली कोई ठोस पहल प्रत्यक्ष नहीं दिखती। यों कहने को प्रदूषण से बेमानी हो चकी और कई जगहों पर गंदा नाला बनती जा रही नदियों को स्वच्छ कर्नाटक मिल्के फेडरेशन (केएमएफ) के ब्रांड नंदिनी वेक्ष्ट्रे में घुसपैठ के रूप में देखा जा रहा है। ये बहस अमूल की तरफ से एक अधिकारिक ट्वीट करने के बाद शुरू हुई है। इसमें अमूल ने अपनी योजना के बारे में बताया था। अब मीडिया और सोशल मीडिया में इसे पश्चिमी राज्य गुजरात वेक्ष्ट्रे ब्रांड के दक्षिणी राज्य कर्नाटक में अपने पैर पसारने की कोशिश के रूप में पेश किया जा रहा है और इस पर तीखी बहस हो रही है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाता है कि अमूल के लिए नंदिनी को कर्नाटक में चुनौती देना इतना आसान नहीं है। क्योंकि नंदिनी जिस कीमत पर अपने दूध वहां के बाजार में बेचती है अमूल का उसके आगे टिकना बेहद मुश्किल है। कर्नाटक को ऑपरेटिव मिल्के प्रोड्यूसर्स फेडरेशन के नंदिनी ब्रांड और गुजरात को ऑपरेटिव मिल्के मार्केटिंग फेडरेशन के अमूल ब्रांड वे दूध की कीमतों की तुलना कर्ते तो नंदिनी अमूल पर भारी पड़ता है। अमूल वे मुकाबले नंदिनी के दूध की कीमतें बेहतर करता है। नंदिनी के टौंड दूध की कीमत केवल 39 रुपये प्रति लीटर है जिसमें 3 फीसदी फैट और 8.5 फीसदी एसएनएफ

उनासी नदियों के अलग-अलग राज्यों में पहुंच कर प्रदूषित होने का तथ्य दर्ज हो रहा है, तो आखिर इस मसले पर धोषित और अमल में लाइ गई योजनाओं पर काम करने का तौर-तरीका और हासिल क्या रहा है? हालत यह है कि शहरों-महानगरों में बहने वाले नालों, स्थानीय स्तर पर निकलने वाला गंदा पानी से लेकर विभिन्न वस्तुएं बनाने वाले कारखानों से निकले कचरा या रासायनिक घोल को धड़ल्ले से नदियों में बहाया जाता है। सरकारों को इसकी पहचान करने में भी बहुत मुश्किल नहीं है। इसके बावजूद नदियों को जहरीला बनाने वाले इन कारकों पर रोक लगाने और उसका वैकल्पिक उपाय करने को लेकर नतीजा देने वाली नीति नहीं दिखती। दुनिया की लगभग सभी सभ्यताओं का विकास नदियों के किनारे ही हुआ है। वक्त के साथ विकास के पायदान पर चढ़ते देश और समाज ने शहरों और बस्तियों के अलग-अलग स्वरूप में पानी के लिए नदियों पर निर्भरता कम की। लेकिन शायद इस वास्तविकता की अनदेखी की गई कि अगर प्रदूषण के बढ़ते स्तर से नदियों का जीवन नहीं बचा, तो उसका असर एक बड़ी त्रासदी के रूप में सामने आएगा।

अर्थव्यवस्था को संदेश लगाते ऑनलाइन सट्टेबाजी, बेटिंग गेम्स



सुनील कुमार महला

नियम जारा करते हुए इन पर अपनी तलवार चला दी है, जो बहुत ही कबिलेतारीफ कदम कहा जा सकता है। अब नये नियमों के तहत ऑनलाइन गेम को मंजूरी देने का फैसला इस बात को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा कि उस गेम में किसी तरह से दांव या बाजी लगाने की प्रवृत्ति तो शामिल नहीं है। अगर एसआरओ(स्व नियामक संगठनों) को यह पता चलता है कि किसी ऑनलाइन गेम में दांव लगाया जाता है तो वह उसे मंजूरी नहीं देगा। दूसरे शब्दों में, यह बात कहीं जा सकती है कि सरकार ने सट्टेबाजी और बेटिंग से जुड़े विभिन्न एप्स को हाल ही में प्रतिबंधित करने की बात कही है और साथ ही सट्टेबाजी और जूँ से जुड़े विज्ञापनों से बचने को भी चेतावनी या यूं कहें कि एडवायजरी जारी की गई है। वास्तव में, नई एडवायजरी या नियमों के बारे में कोई विज्ञापन नहीं किया जा सकता।

गेम्स कपानिया सट्टेबाजी वा यूँ का आड़ में लुभावने विज्ञापन करके अनाप-शनाप पैसा कमा रही थी और विशेषकर हमारी युवा पीढ़ी इन ऑनलाइन गेम्स के चक्कर में अपना पैसा, समय व स्वास्थ्य तक बर्बाद कर रहे हैं। युवाओं को ये कंपनियां (ऑनलाइन गेम्स कंपनियां) लाखों, करोड़ों रुपये पाने का लालच दिखाकर अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। ऑनलाइन टीम बनाओ, रसी, ताश, क्रिकेट, लुडो खेलो और थोड़ा सा, छोटा सा इनवेस्टमेंट कर लाखों, करोड़ों जीतो।

बच्चों को यह बात सच लगती और वे लगातार इसके शिकार हो रहे थे। वास्तव में, इन कंपनियों का अंदराज या यूं कहें कि विज्ञापन का तरीका कूछ इस प्रकार का होता था कि कोई भी इन ऑनलाइन कंपनियों के चंगुल में फँसने से बच नहीं सकता था, क्योंकि इनकी विज्ञापन पॉलिसी ही ऐसी है कि विज्ञापन करने के लिए जिसमें विभिन्न वाक्यांश जैसा शब्द नहीं आया है। इसके बाद इन विज्ञापनों को लिंगायत विभिन्न वाक्यांशों में करीब 16 प्रतिशत मुस्लिम है। जिसमें सीटों में 40 सीटों पर खासा प्रभाव है। लिंगायत समुदाय भी एक बड़ा जाति समूह है। यह कहे वाक्कालिंगा राज्य का दूसरा प्रभावशाली जाति समूह है। कर्नाटक मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई एक लिंगायत राज्य में लिंगायत (14 प्रतिशत) वोक्कालिंगा (11 प्रतिशत), दलित (प्रतिशत), ओबीसी (16 प्रतिशत) मुस्लिमों की संख्या (16 प्रतिशत) है। इन अन्य राज्यों की तरह ही कर्नाटक की राज्य में भी जातीय आधार पर ही मतदान होता है। सभी राजनीतिक दल जातियों को अपनी राजनीतिक दल की चाल भी चलते हैं। 2013 से के बीच सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली सरकार ने लिंगायतों के अलग धर्म की मांसपंथीता की समर्थन किया था। ऐसा इसलिए तात्पुर समुदाय का समर्थन हासिल किया जा सकता है। विवरणित रूप से भाजपा का समर्थन करता है। वोक्कालिंगा लगभग 80 विधानसभा के चुनाव के नतीजे तय करते हैं, और तात्पुर 50 विधानसभा क्षेत्रों में उनका दबदबा 2018 में, लगभग 42 वोक्कालिंगा विधायकाओं जानवर जीता था। उनमें

क्या अब कर्नाटक चुनाव में दृध्य और लालमिर्च भी होगा एक मुद्दा ?



अशोक भाटिया

कनाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) के ब्रांड नंदिनी वेक्स्ट्रेर में धुसपैठ के रूप में देखा जा रहा है। ये बहस अमूल की तरफ से एक अधिकारिक ट्रीटर करने के बाद शुरू हुई है। इसमें अमूल ने अपनी योजना के बारे में बताया था। अब मीडिया और सोशल मीडिया में इसे पश्चिमी राज्य गुजरात वेक्स्ट्रेर ब्रांड के दक्षिणी राज्य कर्नाटक में अपने विपरीत पसारने की कोशिश के रूप में पेश किया जा रहा है और इस पर तीखी बहस चली रही है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाना चाहिए। गैरतलब है कि अमूल के लिए नंदिनी को कर्नाटक में चुनौती देना इतना आसान नहीं है। क्योंकि नंदिनी जिस कीमत पर अपने दूध वहाँ के बाजार में बेचती है अमूल का उसके आगे टिकना बहह मुश्किल है। कर्नाटक को ऑपरेटिव मिल्क फेडरेशन के नंदिनी ब्रांड और गुजरात को ऑपरेटिव मिल्क फेडरेशन के अमूल ब्रांड वे दूध की कीमतों की तुलना करें तो नंदिनी अमूल पर भारी पड़ता है। अमूल वेक्स्ट्रेर नुकाबले नंदिनी के दूध की कीमतें बेहतु कम हैं। नंदिनी के टॉट दूध की कीमत केवल 39 रुपये प्रति लीटर है जिसमें 3 फीसदी फैट और 8.5 फीसदी एसएनएफ

मौजूद है। इसके मुकाबले अमूल के टोड मिल्क की कीमत दिल्ली और गुजरात में 54 रुपये प्रति लीटर है। नंदिनी के फुल-क्रीम दूध के कीमतों पर नजर डालें तो अमूल के फुल क्रीम दूध जिसमें 6 फीसदी फैट और 9 फीसदी एसएनएफ है उसे अमूल राजधानी दिल्ली में 66 रुपये प्रति लीटर तो गुजरात में 64 रुपये प्रति लीटर में बेचती है जबकि नंदिनी 900 एमएल फुल क्रीम दूध का पैकेट केवल 50 रुपये में और 450 एमएल फुल क्रीम दूध का पैकेट 24 रुपये में बेचती है। मार्च तक नंदिनी इस दूध के एक लीटर पैक को 50 रुपये और 500 एमएल के पैक को 24 रुपये में बेचती थी लेकिन नंदिनी ने लागत बढ़ने के बाद पैकेट साइज को छोटा कर दिया लेकिन कीमतें में कोई बदलाव नहीं किया गया यानि अमूल के फुल क्रीम दूध के मुकाबले नंदिनी के फुल क्रीम दूध की कीमत बेहद कम है। नंदिनी के दही की कीमत केवल 47 रुपये किलो है जबकि अमूल के 450 ग्राम के दही के पैकेट की कीमत 30 रुपये है यानि एक किलो अमूल दही की कीमत 66 रुपये प्रति किलो बनता है। कीमतों पर नजर डालें तो अमूल का नंदिनी से मुकाबला करना संभव नहीं है। नंदिनी के दूध की कीमत देश में सबसे कम है। सबसे बड़ी बात यह है कि कर्नाटक सरकार अपने 25 लाख डेयरी किसानों को दूध पर सालाना 1200 करोड़ रुपये का इंसेटिव देती है। मौजूदा समय में 6 रुपये प्रति लीटर डेयरी किसानों दूध पर इंसेटिव राज्य सरकार देती है। कॉम्प्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों

का मानना है कि अमूल के एंट्री से नंदिनी के मार्केट शेयर में सेंध लग सकता है। विपक्ष अमूल के जरिए नंदिनी ब्रांड को खत्म करने की साजिश बताने के साथ कन्नड़ अस्मिता पर चोट बता रही है। बैंगलुरु के होटल एसोसिएशन ने सभी होटलों से केवल नंदिनी ब्रांड खरीदने को कहा है। विपक्ष के हमले के बाद बैंकफुट पर आई प्रदेश की बीजेपी सरकार और मुख्यमंत्री बसलराव बोम्मई ने अमूल ब्रांड के एंट्री से नंदिनी ब्रांड को खतरे की संभावना से इंकार किया है। उन्होंने अमूल के साथ नंदिनी के विलय की किसी भी संभावना से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि अमूल के एंट्री पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। वहीं अमूल का कहना है कि वो उत्तरी कर्नाटक के बेलगाम और हुबली-धारवाड़ में 2015 से अमूल दूध बेच रही है और बैंगलुरु में केवल ऑनलाइन इंकॉमर्स रूट के जरिए एंट्री कर रही है। अमूल बनाम नंदिनी विवाद को विस्तार से समझने से पहले अमूल मॉडल के जन्म की कहानी को समझना जरूरी है। सही मायनों में अमूल मॉडल सरदार बल्लभ भाई पटेल की सोच की देन है। ये कहानी शुरू होती है 1942 से। गुजरात के खेड़ा में किसान दूध के कम दाम मिलने को लेकर परेशान थे। इस परेशानी को खत्म करने के लिए सरदार पटेल ने किसानों की सहकारी समिति शुरू करने की सिफारिश की थी लेकिन उस दौरान इस पर काम नहीं हो सका। इसके बाद 1945 में बॉम्बे सरकार ने बॉम्बे मिल्क स्कीम शुरू की। इसके तहत आणंद से दूध की बॉम्बे आपूर्ति की जानी

पन विश्वस्त सहयोग मारारजा दसाइ गो खेड़ा जिले में हड़ताल आयोजित करने के लिए भेजा। 4 जनवरी 1946 को साईं ने समरखा गांव में एक बैठक की जिस में एक संघ के बैनर तले प्रत्येक गांव में दूध उत्पादक सहकारी समिति ठन करने का फैसला लिया गया। साथ बैठक में ये भी प्रस्ताव पास किया गया था कि सरकार सहकारी समिति से दूध की गरीदारी करेगी, ऐसा ना होने पर किसानों नहीं बेचेंगे लेकिन सरकार ने किसानों ने मांग टूकरा दी। इसी तरह शुरू हुआ असहयोग आंदोलन। नन्दिनी डेयरी कर्नाटक मिल्क फेडरेशन का ब्रॉड है। हीं कर्नाटक मिल्क फेडरेशन कर्नाटक यरी कॉऑपरेटिव की अपेक्षा बॉडी है, जिस का गठन 1974 में किया गया था। हां पर ये गौर करने वाली बात है कि कर्नाटक डेयरी फेडरेशन का गठन अमूल बॉडल की तर्ज पर ही किया गया था जिस ने तस्दीक फेडरेशन की वेबसाइट भी बनाई है। फेडरेशन अमूल के बाद देश

कर्नाटक : मतों के घूवीकरण व तुष्टीकरण के बीच छिड़ी जंग



सुरेश गांधी

हासिल की थीं।
परीत, कांग्रेस को 80 सीटें मिलीं, उन्नता दल (सेक्युलर) को 37 सीटें मिलीं खा जाएं, तो वर्षों से कर्नाटक में भाजपा

कुमात्रा जहां और व में दृष्टिपूर्व में इन्हीं थी। स्थायी सीटों पर इसके नवबकि राई थी। जेडीएस के थे। एक वोकालिगा, एचडी कुमारस्वामी 14 महीने के लिए कांग्रेस के समर्थन से मुख्यमंत्री भी बने। इन्हीं समाकरणों को ध्यान में रखकर राजनीतिक पार्टियां एक-दूसरे पर लगातार हमले कर रही हैं। बता दें, कर्नाटक में कुल मतदाताओं की संख्या 5.21 करोड़ है, जिनमें पुरुष मतदाता 2.62 और महिला मतदाता 2.59 करोड़ है। यहां के 224 विधानसभा सीटों के लिए 10 मई को मतदान होंगे और 13 मई को नतीजे आएंगे। 2018 में बीजेपी ने 104 सीटों पर जीत हासिल की थी। जवाकि कांग्रेस ने 80 और जेडी(एस) ने 37

जालसाजों से सावधान!



रजनीश क

हो जाते हैं। परंतु आज के युग में न केवल फ़ोन पर आपकी ज़रूरी जानकारी ले कर आपको लूट लिया जाता है बल्कि नये-नये तरीकों से ठग और जालसाज अपना कारोबार बढ़ा लेते हैं। ऐसे में मासूम और भोले भाले लोगों को उनके लुटने का पता तब चलता है जब काफ़ी देर हो चुकी होती है। इस बार आपको ठगों के ऐसे ही एक तरीके से वाक़िफ़ कराया जाएगा। मामला मध्य प्रदेश के भिंड जिले के रवि गुप्ता का है। रवि भिंड जिले में एक टेलीकाम कंपनी में काम करने वाले साधारण से व्यक्ति हैं जिनका मासिक वेतन 50-60 हज़ार रुपए है। रवि को हाल ही में आयकर विभाग से 113.80 करोड़ रुपये जमा करने का नोटिस मिला। रवि के साथ ऐसा पहली बार नहीं हुआ। इससे पहले दिसंबर 2020 में भी रवि को 132 करोड़ रुपये के लेनदेन के मामले में 3.49 करोड़ का नोटिस मिला था। नोटिस मिलते ही रवि ने भोपाल में सीबीआइ कार्यालय व प्रधान मंत्री कार्यालय में इसकी शिकायत की। सीबीआइ में हुई शिकायत के बाद ग्वालियर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा इसकी जांच की चल रही है। जांच में यह बात सामने आई कि जब 2011-12 में रवि गुप्ता कोलकाता में करीब 6-7 हज़ार रुपए प्रतिमाह की नौकरी कर रहे थे तब मंबई के एक्सिस बैंक में उनके नाम से एक खाता खोलकर 132 करोड़ रुपए का लेनदेन किया गया। इसी लेनदेन के चलते आयकर विभाग ने रवि को 3.49 करोड़ का नोटिस जारी किया। जांच में यह भी पता चला कि इस जालसाजी के पीछे एक हीरा कंपनी है। बैंक के दस्तवेजों में रवि को सूरत की हीरा कंपनी

बोटी फेंको तस्माशा हेझवो



डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

बिखरा पड़ा ह।
आँखों का धोखा है या फिर ठगने का
चाल, उसे समझ नहीं आया। कुछ देर
उधर देखा तो जाना कि यहाँ तो ऐसा
बढ़कर एक मनलुभावन वादों की लपता
बोटियाँ हैं। रोजगार की बोटी अकेला
इसके सहचर भी ललचाने बैठे हैं।
किसानों को समर्थन मूल्य के नू

ते ने रुड़ा-
पी ढेर
उधर
यह
नई
धर-
क से
पाती
नहीं,
ल्स,
मुफ्त
की
लंबी
ग है।
कता।

उन जलेबियों पर पैकेजों का मक्खन तो और
चटकदार लगता है। जहाँ देखो वहाँ वादों के
एक से बढ़कर एक पकवान दिखाई दे रहे
हैं। थोड़े छोटे तो थोड़े बड़े लगते हैं। यहाँ
गरीबी की मिर्ची, कंगाली का आटा, पिछड़ेपन की करेली कड़वाहट का
नामोनिशाँ नहीं है। इन वादों के पकवान
वाली जादूगरी ऐसी कि कोई भी फंस सकता
है, फिर भी सभी दौड़े-दौड़े चले आ रहे हैं।
भूखे और तड़पते मरने से अच्छा है कि चंद
मिनटों के पकवान वाली मौत ही सही।
जमाना वादों के पकवान खाना चाहता है।
तरह-तरह स्वाद का लुत्फ उठाना चाहता है।
यहाँ शिरखुर्मा को जिहादी कहकर मोदकों से
भिड़वाया जा रहा है। मोदकों को रसगुल्लों
से लड़वाया जा रहा है। चूंकि भिड़ना, लड़ना
दोनों पकवान हैं, कुते बेबूकूफ बनते जा रहे

कुत्ते भूल चुके हैं कि वे कुत्ते हैं। साथ-साथ उसे फँसाने के तर्कीब लेकिन वह नहीं बदला। इस प्रकृति वादों के पकवान वाले कूदे-जाह जले रहा है। जब तक बोटियाँ हैं तक दिन अच्छे हैं। यहाँ वादें बताते नहीं।

वादे खत्म के होने साथ कुत्ते कूदा। बढ़बू में उलझकर रह जाएगा। शिशा करेगा बाहर निकलने की जिस तक बहुत देर हो चुकी होगी। वादों के पकवान बनाने वाला आपने से से कुत्तों को धर दबोचेगा। कुत्तों को पकड़ने वाली गाड़ी में अपना जाएगा। कुत्ते पकड़ने का खेल लाला आ रहा है और इन बोटियों के तो तो हमेशा से फँसते जा रहे हैं।

। जमाने वें बदली भार कुत्ते कर्कट की तब तक दलते हैं, डे-कर्कट वह लाख लेकिन उसी तभी झूठे गया और और उन्हें पने साथ पदियों से नाम पर लनदन के चलते आयकर विभाग का नोटिस मिला। रवि और कपिल के बाद इंदौर के कॉल सेंटर में काम करने वाले प्रवीण राठडौड़ को भी ऐसा ही एक नोटिस मिला। जाँच के बाद पता चला कि इन सभी जालसाजों के तार भी गुजरात के हीरा व्यापारियों से जुड़े थे। जब प्रधान मंत्री कार्यालय से दबाव आया तो भारतीय रिजर्व बैंक ने संबंधित बैंक से स्पष्टीकरण माँगा। बैंक ने 2020 और 2022 में इस बात की पुष्टि करते हुए लिखा कि ये खाता रवि का नहीं लग रहा। बैंक द्वारा इस स्पष्टीकरण के बावजूद आयकर विभाग संतुष्ट नहीं हुआ और अभी भी अपने नोटिस पर अड़े हुए हैं। रवि अब जस युवकों का ढाल बना कर घपला करने वाले गुजरात के हीरा व्यापारी बड़े आराम से ऐसा कर सके? क्या बैंक के अधिकारी ने खाता खोलने से पहले खाता धारक के पैन और आधार का मिलान किया था? क्या पैन कार्ड पर और आधार कार्ड पर एक ही शास्त्र की फोटो लगी थी? क्या खाता खोलने आए व्यक्ति की फोटो आधार और पैन कार्ड से मिल रही थी? यदि नहीं तो केवल रवि, कपिल और प्रवीण को ही नोटिस क्यों भेजा गया? बैंक के उन अधिकारियों, जिन्होंने खाता खोला था उनकी पृछाताछ क्यों नहीं हुई? यदि हुई होती तो असली जालसाज तक पहुँच पाना बहुत आसान होता।

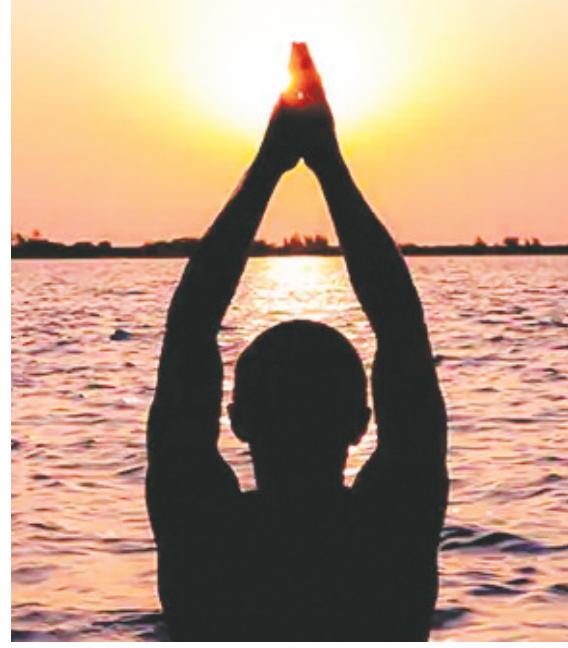


मेष संक्रान्ति कल

सूर्य के राशि बदलने को संक्रान्ति कहते हैं। हर संक्रान्ति का अपना महत्व होता है। ज्योतिष ग्रन्थों में अलग-अलग वार और नक्षत्र के मृताविक संक्रान्ति का फल बताया गया है। सूर्य के मेष राशि में आने की मेष संक्रान्ति कहते हैं। 14 अप्रैल को सूर्य मीन से निकलकर मेष में प्रवेश करेगा। शुक्रवार का दोपहर तकरीबन 3.12 पर सूर्य मेष राशि में प्रवेश कर रहा है।

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में सूर्य पूजा कर के अर्घ्य देने से शारीरिक परेशानियाँ दूर होती हैं। परिवार में किसी भी सदस्य पर कोई मुसीबत या रोग नहीं होता। भगवान् अदित्य के आशीर्वाद से कहि तरह के दोष भी दूर हो जाते हैं। इससे प्रतिष्ठा और मान-सम्मान भी बढ़ता है। इस दिन खाद्य वस्तुओं, वस्त्रों और गरीबों को दान देने से दोगुना पुण्य मिलता है।

मेष संक्रान्ति पर तीर्थ स्नान
ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को सभी ग्रहों का पिता माना गया है। सूर्य के उत्तरायन और दक्षिणायन होने से ही मौसम और ऋतुएं बदलती हैं। हिन्दू धर्म में संक्रान्ति का बहुत ज्यादा महत्व है। इसलिए इसे पर्व कहा जाता है। इस पर्व पर सूर्योदय से पहले नहाना और खासतौर से गंगा स्नान का बहुत महत्व है। ग्रन्थों का कहना है कि संक्रान्ति पर्व पर तीर्थ स्नान करने वाले को ब्रह्म लोक मिलता है। देवी पुराण में कहा गया है कि संक्रान्ति के दिन जीव



नहीं नहाता वा बीमारियों से परेशान रहता है। संक्रान्ति के दिन दान और एक कर्मों की परंपरा सदियों से चली आ रही है।
मेष संक्रान्ति से बढ़ती है गर्भी
मेष संक्रान्ति को बहुत खास माना गया है। क्योंकि इस समय सूर्य की रोशनी ज्यादा समय तक धरती पर रहती है। इसलिए गर्भी का मौसम शुरू हो जाता है। साथ ही वैशाख महीना भी होता है। पुराणों में इस महीने जलदान करने का महत्व बताया है। ऐसा करने से मिलने वाला पुण्य कभी खम्म नहीं होता। इस महीने अक्षय तृतीय, गंगा सप्तमी, बुद्ध पूर्णिमा और वसंतीनी और मोहिनी एकादशी जैसे खास व्रत-पर्व आते हैं।

इस पर्व पर स्नान-दान के लिए तकरीबन 8 घटे का मुहूर्त, खरमास खत्म होगा लेकिन अगले महीने शुरू होंगे मांगलिक काम

इस दिन भगवान् सूर्य की पूजा के साथ तीर्थ स्नान और दान करने की परंपरा है। इसके लिए पुण्यकाल सुबह 11 से शाम 7 बजे तक रहेगा। इस मौके पर भगवान् सूर्य की विशेष पूजा करनी चाहिए। 14 अप्रैल, शुक्रवार को सूरज उगने से पहले उठने के बाद तीर्थ के जल से नहाएं और फिर सूर्य को जल चढ़ाएं। इसके लिए तांबे के लोटे का इस्तेमाल करें। लोटे में शुद्ध जल भरकर उसमें चावल, लाल चंदन और लाल फूल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें। जल चढ़ाने के बाद श्रद्धा अनुसार अन्न, जल, कपड़े और अन्य चीजों के दान का संकल्प लेना चाहिए और फिर दान करना चाहिए। खरमास खत्म लेकिन अगले महीने शुरू होंगे

मांगलिक काम

13 मार्च को मीन संक्रान्ति से खरमास शुरू हो गया था। जो कि अब एक महीने बाद यानी 14 अप्रैल को खत्म होगा। खरमास के चलते मांगलिक कामों के मुहूर्त नहीं थे। हर साल खरमास खत्म होते ही 15 या 16 अप्रैल से मांगलिक काम शुरू हो जाते थे। लेकिन इस बार गुरु अस्त होने से शादी, सगाई, गृहप्रवेश और अन्य मांगलिक कामों के लिए मुहूर्त 3 मई से है। हालांकि खरमास और गुरु अस्त के दोस्रांन हर तरह की खरीदारी की जा सकती है। जिसके लिए ग्रन्थों में मुहूर्त भी बताए गए हैं।

क्ष्या राधा-कृष्ण की प्रतिमा गिफ्ट नहीं करना चाहिए

राधा-कृष्ण को यार का प्रतीक माना जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि कभी भी नवविवाहित जोड़े को राधा-कृष्ण की मूर्ति उपहार के तौर पर नहीं देना चाहिए।

वैवाहिक जीवन में आपाना मिठास-ऐसे तो बेडरूम में भगवान की तस्वीर लगाना शुभ नहीं माना जाता है, लेकिन यदि राधा-कृष्ण को तस्वीर हो तो इसे बेडरूम में लगाया जा सकता है। क्योंकि कृष्ण को प्रेम का प्रतीक माना जाता है।

बेडरूम में इनकी तस्वीर लगाने से वैवाहिक जीवन में मिठास आती है। साथ ही पति-पत्नी को बीच तनाव काम होता है और आपस में यार और विश्वास बढ़ता है।

किस दिन में लगाना चाहिए तस्वीर- अगर आप अपने बेडरूम में राधा-कृष्ण की तस्वीर लगाना चाहते हैं तो आप उत्तर-पूर्व दिशा में लगा सकते हैं क्योंकि राधा-कृष्ण की मूर्ति लगानी जाती है। अगर आपके रूम में एटैच बाथरूम है तो आप तस्वीर को बाथरूम के दीवार पर नहीं लगाएं।

साथ ही आप इस बात का भी ध्यान रखें कि आप जो तस्वीर लगा रहे हैं उसमें सिर्फ राधा-कृष्ण ही हों, साथ में गोपियों वाली तस्वीर को अपने बेडरूम में नहीं लगाएं। अगर आप राधा-कृष्ण के बचपन की फोटो को लगा रहे हैं तो आप उस तस्वीर को पूर्ण दिशा में लगाएं।

राधा-कृष्ण की तस्वीर की जगह बाबा देवी के अवतार की जैसे तो नव विवाहित जोड़े के लिए कई तोहफे हो सकते हैं। लेकिन अगर आप भगवान की तस्वीर ही गिफ्ट करना चाहते हैं तो आप राधा-कृष्ण की मूर्ति की जगह शिव-पार्वती, विष्णु और राधा को विवाहित जोड़े के लिए चुनें।

कृष्ण और राधा को विष्णु और लक्ष्मी का अवतार ही माना गया है, इसलिए ये बहुत शुभ माना जाता है। साथ ही ये तस्वीर सुख-समृद्धि का प्रतीक भी मानी जाती है।

वास्तु: घर के आसपास किस देवी-देवता का मंदिर होने से क्या होगा?



राजा भोज ने अपने श्रेष्ठ विद्वानों की सहायता से प्रजा की सुख-समृद्धि की कामना से 'समरगंगन वास्तुशास्त्र' के रूप में वास्तु के नियमों को संग्रहीत किया है। समरगंगन वास्तुशास्त्र में घर के पास मंदिर के होने के बारे में लिखा है। यदि मंदिर हो तो किस दिशा में किस देवता का मंदिर हो? यदि ऐसा नहीं है तो उन्होंने इसका समाधान भी बताया है।

- घर की जिस दिशा में शिव मंदिर हो, उस दिशा की ओर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने से वास्तुदोष दूर हो जाता है। लेकिन यदि शिव मंदिर के ठीक सामने हो, तो घर की मूर्ख दहोनी में तांबे का समाधान है।

- घर की जिस दिशा में यज्ञ मंदिर हो, उस दिशा की ओर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने से घर की यज्ञ मंदिर हो जाता है।

- घर की जिस दिशा में वैष्णव मंदिर हो, तो घर की मूर्ख दहोनी में तांबे का समाधान है।

- घर की जिस दिशा में शिव-पार्वती का मंदिर हो, तो घर की मूर्ख दहोनी में तांबे का समाधान है।

1. **सत्य साईं बाबा:** सत्य साईं बाबा का जन्म 23 नवम्बर 1926 को आंध्रप्रदेश के पुदुपत्तन गांव में हुआ। जन्म नाम सत्यनारायण राजू। सत्यनारायण राजू ने ही सर्वप्रथम 1940 को स्वयं को साईं बाबा घोषित किया था। बड़े-बड़े झबरीले बाल और शांत स्वभाव के राजू के भक्तों की संख्या लाखों में

लौंग और कपूर के 4 सरल उपाय, जीवन से दूर करेंगे नकारात्मकता, खोल देंगे तरक्की के रास्ते

हमारे स्वेच्छा घर में कुछ ऐसी चीजें हैं, जिनका हमारे भोजन में नियमित रूप से इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन ये बहुत कम लोग जानते हैं कि वे चीजें ना सिर्फ़ सेहन के लिए अच्छी होती हैं, बल्कि इनका ज्योतिष और वारा इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसी ही एक चीज है लौंग। हमारे स्वेच्छा में लौंग का इस्तेमाल मसाने के रूप में किया जाता है। हिंदू धर्म में पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक क्रियाकलापों में भी लौंग का इस्तेमाल होता है। और यह रुक्षात्मक क्रियाकलापों में भी लौंग का इस्तेमाल होता है। ज्योतिष शास्त्र में लौंग के कुछ ऐसे आसान से उपाय बताए गए हैं। जिन्हें करने से व्यक्ति धन और कार्य क्षेत्र से संबंधित परेशानियों से मुक्ति प्राप्त कर सकते हैं। दिल्ली निवासी ज्योतिष आचार्य पंडित आलोक पाण्ड्या यह रुक्ष तरह की जाता है। लौंग से जीए जाने वाले कुछ सरल उपायों के बारे में।

सुख-समृद्धि पाने के लिए

घर में सुख-समृद्धि के लिए शनिवार या रविवार की शाम को 5 लौंग, 3 कपूर और 3 बड़ी इलायची लेकर इन्हें साथ में जला लें। जब इनमें से अपने उठने वाले, तो इन्हें अपने घर के सभी कमरों में घुमाएं। पूरी तरह जल जाने के बाद इसकी राख को सुख्ख द्वारा पर कैला दें। चाहे तो आप इस राख को जल में मिलाकर मुख्य द्वारा पर कूच भी मार सकते हैं। मान्यता के अनुसार, ऐसा करने से घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और घर में सुख-समृद्धि का बढ़ावा देता है।

दुश्मनों से छुटकारा पाने के लिए

यदि आप अपने दुश्मनों से परेशान हैं या फिर कोई आपको बेवजह परेशान कर रहा है तो ऐसे में मंगलवार के दिन बजरंग बाण का पाठ करें और 5 लौंग और कपूर को साथ में जलाकर हनुमान जी का पूजन करें। इसके बाद, बच्ची हुई राख को अपने माथे पर तिलक के रूप में लगाएं। मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से घर में लगाए गए लौंगों के बाद अपने घर स्थान में रख

डेविड की डाइव से जीता एमआई

सूर्यों की आंख बाल-बाल बची, वॉर्नर का दाएं हाथ वाला शॉट

खेल डेस्क, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। ईंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में मुंबई ईंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हरा दिया। जेसन बेहरनडॉफ, टिलक चर्मा और रोहित शर्मा मुंबई के हारों रहे। वहाँ से अक्षर पटेल ने 22 बॉल में फिफ्टी लगाई। मैच में लेफ्ट हैंड से बैटिंग करने वाले डेविड वॉर्नर ने गाईटी बन कर बैटिंग की।

दिल्ली ने 10 ही बॉल में 5 विकेट गंवा दिए। कैच लेने की कोशिश में सूर्यकुमार की आंख पर बॉल लगी और टिम डेविड ने आखिरी बॉल पर डाइव लागकर मुंबई को मैच जिता दिया। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानें। मैच सिर्टिं पढ़ने के लिए वहाँ क्रिकेट करें...

1. राहिटी बने डिवड वॉर्नर
8वें बॉल की तीसरी बॉल त्रिव्यंत शॉकेन ने नौं-बॉल फेंकी। अगली बॉल शौकीन ने शॉट पिच फेंकी, लेफ्ट हैंड से बैटिंग करने वाले डेविड वॉर्नर ने बैटकुप पर राहिट हैंड से शॉट खेला। बॉल समझे की ओर हवा में खड़ी हो गई। इस गेंद पर एक ही रन आया। वॉर्नर अंत में 47 गेंद पर



51 रन बनाकर आउट हुए।

2. सूर्यकुमार को आख पर लगी बॉल

पहली पारी में 17वें ओवर की चौथी बॉल जेसन बेहरनडॉफ ने शॉट बॉल फेंकी। अक्षर पटेल ने लाना अनंत की ओर बड़ा शॉट खेला, बॉल सूर्यकुमार यादव की आंख पर गई। सूर्यों की ओवर लेने की चोशिंग की, लेकिन बॉल उनके हाथ से निकलकर आंख पर लग गई। बैटर को इस गेंद पर 6 रन मिले।

3. 10 बॉल में मिरे 5 विकेट
पहली पारी के 19वें ओवर में दिल्ली कैपिटल्स ने अपने 4 ओवर की बॉल पर राहिट हैंड से शॉट खेला। बॉल समझे की ओर हवा में खड़ी हो गई। इस गेंद पर एक ही रन आया। वॉर्नर अंत में 47 गेंद पर

बेहरनडॉफ ने 3 विकेट निकाले, वहाँ एक बैटर रन आउट हुए। पहली ओवर तीसरी बॉल पर बेहरनडॉफ ने अक्षर पटेल और डेविड वॉर्नर को आउट किया। चौथी बॉल पर कुलादीप यादव रन आउट हो गए, फिर आखिरी बॉल पर अधिकारी ओवर ने 24 पारियों खेलीं, लेकिन एक में भी 50 से ज्यादा का स्कोर नहीं बना सका। रोहित ने 45 बॉल पर 65 रन बनाए।

4. 808 दिन बाद रोहित की फिफ्टी

मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने आईपीएल में 808 दिन बाद रोहिटी लगाई। उन्होंने आखिरी बार 23 अप्रैल 2021 को पंजाब किंस के खिलाफ 52 गेंदों में 63 रन की पारी खेली। उस पारी के बाद रोहित ने 24 पारियों खेलीं, लेकिन एक में भी 50 से ज्यादा का स्कोर नहीं बना सका। रोहित ने 45 बॉल पर 65 रन बनाए।

5. सूर्यकुमार यादव शून्य पर आउट

मुंबई ईंडियंस के स्टार बैटर सूर्यकुमार यादव लातार तीसरे मैच में फॉलॉन रहे। वह पहली ही गेंद पर खाता खेले बगैर कैच आउट हो गए। सूर्यों की ओवर ने 28 मैचों के लिए बॉल पर 5 रन की जीत ली। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

6. पोरेल ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

7. डेविड की डाइव से जीता मुंबई

दिल्ली पारी के आखिरी ओवर में मुंबई की 5 रन की जीतरत स्थिति थी। एनरिक नॉर्ट्यार की पहली बॉल पर एक रन आया। दिल्ली और तीसरी बॉल डॉट रही। चौथी ओवर चौथी बॉल पर एक-एक एक रन आया। आखिरी बॉल पर 2 रन लगाए। एनरिक ने 28 मैचों में 15 रन ही बना सके।

8. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

9. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

10. बॉल में मिरे 5 विकेट

पहली पारी के 19वें ओवर में दिल्ली कैपिटल्स ने अपने 4 ओवर की बॉल पर राहिट हैंड से जीत कर लिए।

11. ओवर की बॉल पर राहिट हैंड

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

12. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

13. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

14. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

15. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

16. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

17. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

18. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

19. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

20. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

21. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

22. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

23. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 था, लेकिन 19 ओवर खत्म होने के बाद टीम का स्कोर 166/9 हो गया। आखिरी ओवर खत्म होने से पहले टीम 172 के स्कोर पर 2 रन लगातार गेंदों पर विकेट लिए।

24. डेविड ने लिया केच

18 ओवर खत्म होने के बाद दिल्ली का स्कोर 165/5 थ

